लंड की दीवानी- मेरी बुर-चोदी खाला

“एक हैं मेरी बुर-चोदी फ़रजाना खाला (मौसी) जो हर समय चोदा-चोदी की ही बातें करती रहती हैं। जब हम तीन चार सहेलियाँ एक साथ बैठ कर बातें करती हैं तो फ़रजाना भोंसड़ी की हमेशा अश्लील बातें शुरू कर देती हैं। कभी कहती हैं ‘मैंने इससे चुदवाया, कभी उससे चुदवाया’, कभी कहती हैं ‘उसका लौड़ा बड़ा […] …”

Story By: (rahulthakur)
Posted: Wednesday, August 27th, 2014
Categories: चाची की चुदाई
Online version: लंड की दीवानी- मेरी बुर-चोदी खाला

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

लंड की दीवानी- मेरी बुर-चोदी खाला

एक हैं मेरी बुर-चोदी फ़रजाना खाला (मौसी) जो हर समय चोदा-चोदी की ही बातें करती रहती हैं।
जब हम तीन चार सहेलियाँ एक साथ बैठ कर बातें करती हैं तो फ़रजाना भोंसड़ी की हमेशा अश्लील बातें शुरू कर देती हैं।

कभी कहती हैं 'मैंने इससे चुदवाया, कभी उससे चुदवाया',
कभी कहती हैं 'उसका लौड़ा बड़ा मोटा है, इसका लौड़ा लम्बा है, उसका सुपारा गोल-गोल है, वो चुदाई अच्छी करता है, वो चूत बढ़िया चाटता है, वो चूचियाँ खूब मसलता है, वो तो बहनचोद गाण्ड भी मारता है.
उसके मियाँ का लौड़ा बड़ा मस्त है, इसके मियाँ पीछे से अच्छा चोदता है। उसका झांट वाला लन्ड है, उसका टेढ़ा लन्ड है। उसके पेल्हड़ बड़े हैं, इसके पेल्हड़ छोटे हैं आदि आदि।

बुर-चोदी खाला बिना रुके हुए सारी बातें बकती जाती हैं।

एक दिन मैंने कहा- अरी मेरी बुर-चोदी फ़रजाना खाला, तुम इसके उसके लन्ड की बातें करती रहती हो, कभी अपने मियाँ के लन्ड के बारे में कुछ नहीं कहती हो क्यों?

वह बोली- अरे मुझे तो अपने मियाँ का लन्ड पकड़ने को ही नहीं मिलता… उनके दोस्तों की बीवियाँ ही मेरे मियाँ का लन्ड पकड़ती रहती हैं, मोहल्ले की बीवियाँ उनका लन्ड पकड़ा करती हैं। कुछ कालेज की लड़कियाँ तो मेरे मियाँ के लन्ड की दीवानी रहती हैं। मैं सबके लन्ड पकड़ती रहती हूँ लेकिन अपने शौहर का लन्ड पकड़ ही नहीं पाती। उनका लौड़ा हमेशा या तो परायी बीवियों के हाथ में रहता है या फिर लड़कियों के हाथ में।

इसीलिए अब मैं भी लंड पकड़ने में तेज हो गई हूँ।
मैं अपनी सहलियों के खाविन्दों के लन्ड पकड़ती हूँ। अपने शौहर के दोस्तों के लन्ड पकड़ती हूँ, मोहल्ले के मर्दों के लन्ड पकड़ती हूँ, कालेज के लड़कों के लन्ड पकड़ती हूँ, पड़ोसियों के लन्ड पकड़ती हूँ। बस जिसका लन्ड मिल जाये, मैं पकड़ लेती हूँ। मैं लन्ड पकड़ने में कोई परहेज नहीं करती।

यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं!
मैं आपको बता दूं कि मेरी खाला मुझसे केवल चार साल ही बड़ी हैं, उनकी शादी चार साल पहले हुई थी और मेरी एक साल पहले।

मेरी फ़रजाना खाला मेरे साथ एक सहेली की तरह रहती है, खूब अश्लील और गन्दी गन्दी बातें करती हैं और खूब हसंती हैं, खुश मिजाज हैं।मुझे बहुत पसंद हैं मेरी बुर-चोदी फ़रजाना मौसी।

एक दिन सवेरे सवेरे मैं उनके साथ आंगन में बैठी थी, कुछ सेक्सी बातें हो रहीं थी, इतने में मेरे मौसा तौलिया लपेटे हुए बाहर आये। मौसी ने उन्हें अपने पास बुलाया और बिना कुछ बोले झट से उनका तौलिया खींच लिया।

मौसा एकदम नंगे हो गये। मौसी ने झट से उनका लन्ड पकड़ लिया और बोली- अरे तुम मेरे सामने कपड़े क्यों पहन कर आते हो? मैं मर्दों को अपने सामने नंगा रखती हूँ।

मैं नीचे मुँह करके हंसने लगी। मैंने देखा कि अंकल की झांटें बड़ी बड़ी थी।

खाला बोली- भोंसड़ी के जाहिद, तुम अपनी झांटे नहीं बना सकते?
मौसा ने कहा- जब तेरे जैसी बीवियाँ हैं तो मैं क्यों बनाऊँ?

खाला ने मुझसे कहा- अरी ज़रीना, जा जल्दी से रेज़र ले आ।

मैं रेजर लेकर आ गई।

मौसी ने कहा- लो ज़रीना, ज़रा इनका लौड़ा पकड़ो, मैं इसकी झांटे छील देती हूँ।
मैंने थोड़ा संकोच किया.

तो वो बोली- अरे तू लन्ड पकड़ने में शर्मा रही है ? अब तो तेरा निकाह हो गया है, अब क्या ? अब तो तू किसी का भी लन्ड पकड़ सकती है। और सुनो शरमाओगी तो लन्ड का असली मज़ा कभी नहीं पाओगी। चलो पकड़ो, मैं इसकी झांटें बनाती हूँ। मैंने लन्ड पकड़ा और मौसी ने इस तरह झांटें बनाई कि लौड़ा एकदम चिकना हो गया और प्यारा प्यारा लगने लगा।

बस मैंने शर्माना छोड़ दिया, मैं झट से लन्ड अपने हाथों में जकड़ लिया, मेरे पकड़ने से लौड़ा और टन्ना कर खड़ा हो गया।
मौसी ने मेरे सिर पर हाथ रख दबा दिया बस मेरा मुख खुला और लन्ड मेरे मुंह के अन्दर घुस गया।

मैं इधर लन्ड चूसने लगी उधर मौसी ने मुझे एकदम नंगी कर दिया, खुद भी नंगी हो गई फिर मेरे साथ ही लन्ड चूसने लगी।
थोड़ी देर में मौसा ने लन्ड मेरी चूत में पेल दिया और मैं मजे से चुदवाने लगी।
इसके बाद मौसी ने भी चुदवाया।

मौसा से चुदवा कर मुझे बहुत मज़ा आया। लन्ड मेरे मन का था और चूत मौसा के मन की।
एक दिन का और किस्सा मैं बताती हूँ तुमको।

दो दिन पहले मेरा देवर साहिर मेरे घर आया, मैंने उसे कमरे में बैठाया।

मेरे पास मेरी खाला भी बैठी थी, मैंने उसको खाला से मिलवाया। मेरे देवर की नज़र खाला की चूचियों की तरफ थी।

मैंने कभी साहिर को नंगा कभी नहीं देखा था, हाँ मेरे मन जरूर था इसका लन्ड पकड़ने का।
मैं भी साथ बैठ कर बातें करने लगी।

इतने में मैंने कहा- साहिर, कुछ नाश्ता करोगे ?
वो बोला- हाँ।

बस मैं रसोई में नाश्ता बनाने चली गई। थोड़ी देर में मैं चाय और आमलेट बना कर कमरे में लेकर आई।
मैंने वहाँ का नजारा देखा तो सन्न रह गई।

मैंने देखा कि मेरी मौसी के हाथ में था मेरे देवर का एकदम खड़ा टन टनाता हुआ लन्ड ?
इस मस्त मस्त लन्ड को देख कर मेरे मुँह में पानी आ गया।
मैं ललचा गई।

मैंने नाश्ता मेज पर रखा और कहा- अरे मेरी बुरचोदी मौसी … तुमको किसी का भी लन्ड पकड़ने में कोई परहेज नहीं है ? मेरे मुँह से लन्ड सुनकर उसका लन्ड और टन्ना गया।

बस फिर मैंने हाथ बढ़ाकर लन्ड पकड़ लिया, मैं बोली- हाय अल्लाह… कितना प्यारा है देवर जी का लौड़ा…
साहिर का लन्ड मेरे दिल में समा गया।

मौसी ने तुरंत लन्ड अपनी मुठ्ठी में लिया और मुझसे कहा- ज़रीना, तुम एक पीस ब्रेड का लाओ।

मैं समझ नहीं पाई, मैंने ब्रेड दे दिया।
मौसी लन्ड की मुठ मारने लगी, खचाखच… खचाखच… सड़का मारने लगी।
मैं उसके पेल्हड़ सहलाने लगी।

थोड़ी देर में लन्ड झड़ने लगा। मौसी ने सारा वीर्य अपनी ब्रेड में ले लिया और झड़ते हुए लन्ड को चाटा फिर उंगली से वीर्य को फैलाया कर उसमे थोड़ा नमक लगाया और खा गई। मैं उसका मुँह ताकती रही।

खाला बोली- तुम लोग ब्रेड मक्खन खाती हो न… मैं ब्रेड में लन्ड का मक्खन लगा कर खाती हूँ।
इसके बाद हम तीनों ने जम कर नाश्ता किया।

दोपहर को मैं देवर को अपने कमरे में ले गई और उसे नंगा कर दिया, मैं भी नंगी हो गई। मैंने लन्ड पकड़ा, लौड़ा एकदम से खड़ा हो गया, मैं लन्ड चूसने लगी, फिर लौड़ा चूत में घुसेड़ कर चुदवाने लगी।

इतने में मौसी भी नंगी मेरे कमरे में आ गई, उनके हाथ में मौसी के देवर का लन्ड था। मैंने जब उसका लन्ड देखा तो मस्त हो गई। क्या लौड़ा था खाला के देवर का ?
मैंने अपने देवर से चुदवाते चुदवाते मौसी के देवर का लन्ड पकड़ लिया। फिर मौसी ने मेरे देवर से चुदवाया और मैंने उनके देवर से।

दो दिन बाद मैं रात को छत पर गई, चांदनी रात थी, पूर्णिमा थी, रोशनी बहुत थी, मौसी ने इशारे से मेरे पड़ोस के एक लड़के को बुलाया।
वो पास आया।
मौसी ने पहले तो इधर उधर की बात की, फिर कहा- पुन्नू, तुम अपना लन्ड दिखाओ ना।

ऐसा कह कर मौसी ने उसके पजामे के ऊपर से ही लन्ड दबा दिया, फिर उसका हाथ पकड़ कर कहा- लो तुम मेरी चूचियाँ मसलो। और हाँ तुम ज़रीना की भी चूचियाँ पकड़ो।
मौसी ने तुरंत उसका पजामा खोल डाला, लौड़ा हाथ से पकड़ लिया।

लन्ड टनटनाने लगा, खड़ा हो गया लन्ड।
मैं उसे देख कर खुश हो गई, मैंने भी लन्ड पकड़ा।

तब तक वो बोला- भाभी, मैं अपने दोस्त को बुला लूँ ?
मैंने कहा- हाँ बुला लो।
उसने बिल्लू को बुला लिया।

अब दोनों लड़के पुन्नू और बिल्लू मेरे सामने एकदम नंगे हो गये, मैं भी नंगी हो गई और मेरी मौसी भी।
मैंने बिल्लू का लन्ड पकड़ा और मौसी ने पुन्नू का लन्ड… दोनों ही लन्ड मोटे तगड़े थे।
फिर हम दोनों ने लन्ड बदल बदल कर रात भर चुदवाया।

सच कहता हूँ यारो… यह कहानी मेरी दिमाग की उपज है। असलियत से इसका कोई लेना देना नहीं है।
show8814@gmail.com

Other stories you may be interested in

बुआ के साथ पहली चुदाई भरी रात

दोस्तो, मेरा नाम ऋषभ है और मैं कानपुर के एक छोटे से कस्बे से हूं. मैं 20 साल का हूं और अभी पढ़ाई पूरी करके जॉब की तलाश हूं. मैं थोड़ा सांवला हूं और मेरी हाईट 5 फुट 7 इंच […]
Full Story >>>

मेरी सेक्सी सहकर्मी की मजेदार चुदाई

मेरे प्रिय मित्रो, कैसे हैं आप लोग. मैं रॉबी फिर से एक नई कहानी लेकर हाज़िर हूँ. मेरी ये सेक्स कहानी आपके लंड में तूफान और चुत में रस की बाढ़ ला देगी. आपने मेरी पिछली कहानी पड़ोसन भाभी और […]
Full Story >>>

भाई बहनों की चुदक्कड़ टोली-6

भाई बहनों की इस चुदाई कहानी के पिछले भाग में आपने पढ़ा कि मेरी बड़ी दीदी हेतल के पति रितेश जीजू ने मेरी छोटी बहन मानसी यानि कि अपनी साली को चोद दिया. मैंने हेतल की गांड मारी और मानसी […]
Full Story >>>

जवानी की प्यास ने क्या करवा दिया

मेरी पिछली कहानी जिगोलो बन कर भाभी की जवानी की प्यास बुझाई में आपने पढ़ा कि कैसे मैंने झूठी आईडी बना कर एक प्यासी भाभी के साथ सेक्स किया. ऐसे ही मेरी ग्रेजुएशन पूरी हो गयी और वापिस अपने घर […]
Full Story >>>

सात दिन की गर्लफ्रेंड की चुदाई

नमस्कार दोस्तो … मेरा नाम प्रकाश है. मैं 30 साल का हूँ. मैं मुंबई के पास कल्याण जिले में रहता हूँ. अभी फिलहाल एक प्राइवेट कंपनी में जॉब कर रहा हूँ. मैं आज तक बहुत सी लड़कियों के साथ सेक्स […]
Full Story >>>